Daily Gospel Reflections in Hindi

26 September 2019

मत्ति 11 : 11 - 19

The Kingdom of heaven has suffered violence

संत योहन बपतिस्ता सबसे महान इसलिए हुआ कि वह नबियों के आखिरी आवाज थी। उसी ने अपने जीवन के द्वारा, अपने शब्दो के द्वारा येसू मसीह को हमारे समक्ष प्रस्तुत किया था।

आज के सुसमाचार में येसू का जवाब भी मननचिंतन करने का एक केन्द्र विंदु है। येसू योहन के शिष्यों से कहता है की जो हो रहा है – दिख रहा है जाके बताइये।

नाज़रेत के सिनगोग में जो पाठ पढ़ा था वह पूरा हो चुका था। आज, येसू उन वचनों को दुहराता है।

हमारे प्रत्येक जीवन में येसू के वचन पर कितना अधिक मात्रा में भरोसा रखते है, ये एक सोचनीय विषय है।

योहन बपतिस्ता कि भॉती महान बनने के लिए हमारे पास एक ही शर्त है कि हमारी आवाज में, हमारे जीवन में येसू को प्रकट करना है।

निष्क्रियता एक पाप है, प्रार्थना से दूर रह कर जीवन में आलस्य रहना ख्रिस्तीयता के खिलाफ़ है। संत योहन बपतिस्ता के जैसे जीवन में उत्साहित ख्रिस्तीय बने।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019